

## फॉल्कन हेवी रॉकेट

हाल ही में स्पेसएक्स ने फाल्कन हेवी रॉकेट को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थिति कैंनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से [भू-समकालिक पृथ्वी की कक्षा](#) में लॉन्च किया।

- यह विशाल रॉकेट प्रणाली का चौथा प्रक्षेपण है और वर्ष 2019 में हुए इसके अंतिम प्रक्षेपण के बाद से लगभग तीन वर्षों में पहला प्रक्षेपण है।

### वर्तमान मशिन:

- यह रॉकेट **अमेरिकी अंतरिक्ष बल (USSF)-44** नामक मशिन हेतु अमेरिकी सेना के उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले जाएगा।
  - इस मशिन के तहत दो अंतरिक्षयान पेलोड तैनात किये गए, जिनमें से पहला **TETRA 1** माइक्रो सैटेलाइट है जिसे भू-समकालिक पृथ्वी की कक्षा में और उसके आसपास विभिन्न प्रोटोटाइप मशिनों के लिये बनाया गया है। दूसरा पेलोड राष्ट्रीय रक्षा उद्देश्यों हेतु है।
  - स्पेस ससिटम्स कमांड के इनोवेशन और प्रोटोटाइपिंग के लिये यह उपग्रहों को स्थापित करेगा।

### फॉल्कन हेवी रॉकेट:

- स्पेसएक्स के अनुसार दो कारकों की वजह से फॉल्कन हेवी, **दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है।**
- इस रॉकेट की **ऊँचाई 70 मीटर, चौड़ाई 12.2 मीटर और वज़न 1,420,788 किलोग्राम है।**
- फॉल्कन हेवी में **27 मर्लिन इंजन** हैं जो एक साथ **लफ्ट-ऑफ पर पाँच मिलियन पाउंड से अधिक की शक्ति** उत्पन्न करते हैं। अपनी पूरी क्षमता पर यह लगभग अठारह, 747 विमानों के बराबर है, जो इसे सबसे सक्षम रॉकेट बनाता है।
  - मर्लिन फॉल्कन 1, फॉल्कन 9 और फॉल्कन हेवी प्रक्षेपण यानों में उपयोग होने वाले रॉकेट इंजनों का समूह है, जिसे स्पेसएक्स द्वारा विकसित किया गया है।
  - मर्लिन इंजन में गैस-जनरेटर शक्ति चक्र में रॉकेट प्रणोदक के रूप में **RP-1** और तरल ऑक्सीजन का उपयोग किया जाता है।
  - इन इंजनों को **पुनर्प्राप्ति और पुनः उपयोग के लिये डिज़ाइन किया गया था।**
- इस रॉकेट से लगभग **64 मीटर कि टन भार को कक्षा में ले जाया जा सकता है।**
- फाल्कन हेवी अतिरिक्त **थ्रस्ट और लफ्ट क्षमता के लिये तीन बूस्टर का उपयोग करता है।**
- स्पेसएक्स ने आखिरी बार जून 2019 में नासा के कैंनेडी स्पेस सेंटर से अपना [फाल्कन हेवी रॉकेट](#) लॉन्च किया था।
  - यह रक्षा विभाग के अंतरिक्ष परीक्षण कार्यक्रम-2 के हिस्से के रूप में **24 उपग्रहों** को ले गया।

### [स्रोत: द हिंदू](#)